समस्या — जलमग्न हुआ पूरा शहर, सड़कें बनीं तालाब, दुकानों में घुसा पानी

तेज बारिश ने खोली नगर परिषद की पोल

शहपुरा नवभारत 6 जुलाई। सोमवार को हुई तेज बारिश ने नगर परिषद शहपुरा की मानसून तैयारियों की पोल खोलकर रख दी। कुछ ही घंटों की बारिश में पूरा नगर जलमग्न हो गया। मुख्य सड़कें तालाब में तब्दील हो गई, कई मोहल्लों में घुटनों तक पानी भर गया और आमजन को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ा।

नगर परिषद की नालियों की समय पर सफाई नहीं होने और जल निकासी की पर्याप्त व्यवस्था के अभाव में शहर के कई हिस्सों में हालात बेहद खराब हो गए। सबसे अधिक प्रभावित शहपुरा डिंडोरी मार्ग पर स्टेट बैंक के सामने का क्षेत्र रहा, जहां सड़क पर इतना अधिक पानी भर गया कि कई दोपहिया और चारपहिया वाहनों के साइलेंसर में पानी घुस गया। इसके चलते अनेक वाहन बीच सड़क पर ही बंद हो गए और लोगों को भारी मशक्कत करनी पड़ी।

जान जोखिम में डालकर आवागमन करते रहे राहगीर

टॉकीज मोड़ स्थित पुलिया पर तेज बहाव के कारण सड़क नदी जैसी दिखाई देने लगी। पुलिया के ऊपर से पानी बहता रहा, लेकिन मजबूरी में लोग जान जोखिम में डालकर आवागमन करते रहे। घुटनों से अधिक पानी होने के कारण यातायात लंबे समय तक प्रभावित रहा। स्थिति की गंभीरता को देखते हुए शहपुरा थाना प्रभारी अनुराग जामदार स्वयं पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे और जलभराव वाले क्षेत्रों में लोगों की सहायता करते हुए यातायात व्यवस्था संभाली।

उमरिया मार्ग और तहसील रोड पर भी जलभराव

बारिश का असर उमरिया मार्ग और तहसील रोड पर भी देखने को मिला, जहां जलभराव के कारण कई व्यापारियों की दुकानों में पानी घुस गया। सोमवार होने के कारण बाजार में अच्छी भीड़ की उम्मीद थी, लेकिन जलभराव से व्यापार प्रभावित हुआ और दुकानदारों को आर्थिक नुकसान उठाना पड़ा। व्यापारियों ने नगर परिषद की कार्यप्रणाली पर नाराजगी जताते हुए कहा कि यदि समय रहते नालियों की सफाई और जल निकासी की व्यवस्था की गई होती तो ऐसी स्थिति नहीं बनती।

पलंग के नीचे छिपाई 350 पाव अवैध देशी शराब जब्त

▶ बिछिया के परमाही टोला में अवैध शराब के जखीरे पर आबकारी का छापा

मंडला। कलेक्टर राहुल नामदेव धोटे के निर्देशन एवं जिला आबकारी अधिकारी और प्रभारी सहायक जिला आबकारी अधिकारी शैली सैयाम के मार्गदर्शन में आबकारी विभाग ने मंडला के बिछिया वृत्त में अवैध शराब के खिलाफ एक बड़ी कार्रवाई को अंजाम दिया है।

जानकारी अनुसार मुखबिर से मिली सटीक सूचना के आधार पर आबकारी बल ने वार्ड नंबर 15, परमाही टोला बिछिया में एक संदिग्ध मकान पर दबिश दी। तलाशी के दौरान घर पर सुरेंद्र यादव 48 वर्ष और रवि यादव 21 वर्ष उपस्थित मिले। जब आबकारी टीम ने घर की विधिवत तलाशी ली, तो कमरे में पलंग के नीचे छिपाकर रखे गए देसी मदिरा प्लेन के 7 कार्टून बरामद हुए। प्रत्येक कार्टून में 50 नग के हिसाब से कुल 350 पाव मात्रा 63 बल्क लीटर अवैध शराब जब्त की गई।

इनकी रही भूमिका

इस कार्रवाई में आबकारी उपनिरीक्षक सर्वेश नागवंशी, प्रधान आरक्षक हरे सिंह उइके, आरक्षक रघुनाथ उइके, महेश पटेल और कन्हैया उइके सहित समस्त आबकारी स्टाफ मुस्तैद रहा। विभाग ने स्पष्ट किया है कि क्षेत्र में अवैध मदिरा के निर्माण और विक्रय के खिलाफ यह दंडात्मक कार्रवाई निरंतर जारी रहेगी।

एक नजर में

मवई में बिजली गुल होते ही ठप हो रहीं बैंकिंग और ऑनलाइन सेवाएं

मवई। जनपद मुख्यालय मवई में पिछले करीब एक सप्ताह से जारी नेटवर्क समस्या ने आम जनजीवन को बुरी तरह प्रभावित कर दिया है। स्थानीय लोगों ने बताया कि क्षेत्र में संचार का प्रमुख माध्यम जिओ नेटवर्क है, जो केवल बिजली रहने तक ही काम करता है। बिजली आपूर्ति बाधित होते ही नेटवर्क पूरी तरह बंद हो जाता है, जिससे पूरा इलाका संपर्क विहीन हो जाता है।बताया गया कि ब्लॉक मुख्यालय होने के कारण मवई में प्रतिदिन सैकड़ों लोग शासकीय एवं निजी कार्यों के लिए पहुंचते हैं, लेकिन इस तकनीकी खराबी से बैंकिंग सेवाएं, ऑनलाइन कार्य और सरकारी कामकाज पूरी तरह ठप पड़े हैं। ग्रामीणों ने बताया कि बीते हाट-बाजार के दिन इस समस्या का सबसे बड़ा असर देखने को मिला, जब क्षेत्र के 40 से 50 गांवों के ग्रामीण मवई पहुंचे थे। नेटवर्क न होने के कारण ग्रामीण बैंकों से खाद-बीज और जरूरी सामग्री खरीदने के लिए राशि नहीं निकाल पाए, जिससे उन्हें बिना खरीदारी के ही वापस लौटना पड़ा। वहीं, ऑनलाइन भुगतान न होने से स्थानीय व्यापारियों को भी भारी आर्थिक नुकसान उठाना पड़ रहा है। स्थानीय नागरिकों और व्यापारियों ने संबंधित विभाग से इस गंभीर समस्या का तत्काल समाधान करने की मांग की है।

जिले में 37.9 मिमी औसत वर्षा दर्ज की गई

मंडला। जिले में इस वर्ष 1 जून से 4 जुलाई 2026 के दौरान 150.4 मिमी. औसत वर्षा दर्ज की गई है जबकि इसी अवधि तक गत वर्ष 481.2 मिलीमीटर औसत वर्षा दर्ज की गई थी। इस प्रकार गत् वर्ष की तुलना में इस वर्ष 330.8 मिलीमीटर कम वर्षा दर्ज की गई है। अधीक्षक भू-अभिलेख से प्राप्त जानकारी के अनुसार 4 जुलाई 2026 को मंडला में 49.8 मि.मी., नैनपुर में 27.6 मि.मी. एवं बिछिया में 25.4 मि.मी., निवास में 33 मि.मी. एवं घुघरी में 77.1 मि.मी. एवं नारायणगंज में 14.6 मि.मी. वर्षा दर्ज की गई।

शासकीय सेवा से निवृत्त हुए आरएचईओ रमेश

नारायणगंज। शासकीय सेवा से सेवानिवृत्ति के उपलक्ष्य में आरएचईओ रमेश कुमार भारती द्वारा निर्मल छाया नारायणगंज में सेवानिवृत्ति मिलन एवं स्नेह सहभोज का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि पूर्व भाजपा जिला अध्यक्ष रतन ठाकुर रहे। समारोह में डिंडौरी, जबलपुर, मंडला सहित स्थानीय स्तर के विभागीय अधिकारियों, जनप्रतिनिधियों, मित्रों और परिजनों ने बड़ी संख्या में भाग लेकर श्री भारती के दीर्घ, निष्कलंक एवं समर्पित सेवाकाल की सराहना की।

इस अवसर पर विजय कुमार सिंह रौड़े द्वारा श्री भारती के जीवन संघर्ष और उपलब्धियों पर आधारित प्रेरणादायी जीवनगाथा का भावपूर्ण वाचन किया गया, और उन्हें विशेष अभिनंदन पत्र भेंट किया गया। मुख्य अतिथि रतन ठाकुर ने कहा कि श्री भारती ने ईमानदारी और निष्ठा से दायित्वों का निर्वहन कर विभाग की गरिमा बढ़ाई है। अंत में श्री भारती ने सभी के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि वे आगामी जीवन समाज सेवा और परिवार के साथ सार्थक रूप से व्यतीत करेंगे।

शातिर चोर गिरफ्तार, 2.70 लाख की बाइक और 9 मोबाइल बरामद

मनेरी/मंडला। पुलिस अधीक्षक मंडला राजेश रघुवंशी के निर्देशन, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक शिव कुमार वर्मा तथा एसडीओपी निवास पीएस बालरे के मार्गदर्शन में चौकी मनेरी पुलिस को बड़ी सफलता हाथ लगी है। पुलिस ने क्षेत्र में लगातार हो रही मोबाइल और वाहन चोरी की वारदातों का पर्दाफाश करते हुए एक शातिर चोर को गिरफ्तार किया है, जिसके पास से करीब 2.70 लाख मूल्य की शत-प्रतिशत चोरी गई संपत्ति बरामद की गई है।

रात में घर के सामने से पार की थी बाइक : मनेरी क्षेत्र में पिछले 15 दिनों से मोबाइल चोरी की शिकायतें मिल रही थीं। इसी बीच 3 जुलाई 2026 को ग्राम मेडी निवासी संजय उर्फ भूरा बर्मन ने रिपोर्ट दर्ज कराई कि अज्ञात चोर उनके घर से स्प्लेंडर प्लस मोटरसाइकिल क्रमांक एमपी 20 एनक्यू 7928 चोरी कर ले गया है। पुलिस ने मामला दर्ज कर विवेचना शुरू की। साक्ष्यों और मुखबिर की सूचना पर पुलिस ने संदिग्ध शिवम मरावी उम्र 19 वर्ष, निवासी ग्राम खुख्र, थाना कुंडम, जिला जबलपुर को हिरासत में लेकर पूछताछ की।

पूछताछ में उगलीं कई वारदातें, आरोपी है आदतन अपराधी : कड़ाई से पूछताछ करने पर आरोपी शिवम मरावी ने मोटरसाइकिल चोरी की बात कबूल की। इसके साथ ही उसने पिछले 15 दिनों में मनेरी और जबलपुर के बरेला क्षेत्र से 9 स्मार्टफोन चोरी करने की वारदातें भी स्वीकार कीं।

घुघरी के नंदा मोहल्ला में अधूरा पुल बना जी का जंजाल

घुघरी/लाटो। जनपद पंचायत घुघरी के अंतर्गत आने वाली ग्राम पंचायत लाटो के नंदा मोहल्ला में निर्माणाधीन पुल का कार्य बीच में ही अधूरा छोड़ दिए जाने से क्षेत्र के ग्रामीणों को भारी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है।

मानसून की शुरुआत के साथ ही यहाँ स्थिति बेहद गंभीर और चिंताजनक हो गई है। पुल का निर्माण पूर्ण न होने के कारण ग्रामीणों का सीधा आवागमन बाधित हो गया है। नाले में पानी का स्तर बढ़ने से स्कूली बच्चों को मजबूरी में लकड़ी का सहारा लेकर नाला पार करना पड़ रहा है, जिससे हर समय किसी बड़े हादसे या दुर्घटना की आशंका बनी रहती है। ग्रामीणों ने रोष व्यक्त करते हुए बताया कि पुल का निर्माण कार्य लंबे समय से बंद पड़ा है। इस संबंध में संबंधित विभाग और ग्राम पंचायत को कई बार अवगत कराया जा चुका है, लेकिन आज तक इसे पूरा कराने की दिशा में कोई ठोस प्रशासनिक पहल नहीं की गई है। वर्तमान में नाले के उफान पर होने से सबसे अधिक परेशानी बुजुर्गों, महिलाओं और छात्र-छात्राओं को उठानी पड़ रही है।

कलेक्ट्रेट में निर्बाध बिजली, पूरा नगर अंधेरे में!

▶ आम जनता को भी राहत देने वैकल्पिक व्यवस्था की जाए

डिंडोरी, नवभारत 6 जुलाई। सोमवार सुबह से नगर के कई वार्डों में बिजली आपूर्ति ठप रही, जिससे आम नागरिकों को भीषण गर्मी के बीच भारी परेशानी का सामना करना पड़ा। वहीं दूसरी ओर, कलेक्ट्रेट परिसर में बिजली आपूर्ति निर्बाध बनाए रखने के लिए अन्य क्षेत्र से सप्लाई की व्यवस्था किए जाने की चर्चा पूरे नगर में रही।

लोगों का कहना है कि जब पूरे नगर में घंटों बिजली गुल रही, तब प्रशासनिक कार्यालयों में निर्बाध बिजली व्यवस्था कैसे बनी रही, यह सवाल खड़ा करता है। नागरिकों का मानना है कि यदि ऐसी वैकल्पिक व्यवस्था कलेक्ट्रेट के लिए संभव है, तो आम जनता को भी राहत देने के लिए समान प्रयास किए जाने चाहिए।

विद्युत विभाग पारदर्शी व्यवस्था अपनाए

स्थानीय लोगों ने विद्युत विभाग से मांग की है कि बिजली कटौती की स्थिति में पारदर्शी व्यवस्था अपनाई जाए तथा किसी एक क्षेत्र को प्राथमिकता देने के बजाय पूरे नगर के हितों को ध्यान में रखते हुए विद्युत आपूर्ति सुनिश्चित की जाए।

13 से शुरू होगा दुग्ध समृद्धि संपर्क अभियान

मंडला। मध्यप्रदेश सरकार द्वारा दुग्ध उत्पादन को बढ़ावा देने के उद्देश्य से दुग्ध समृद्धि संपर्क अभियान के तीसरे चरण की शुरुआत की जा रही है। पशुपालन एवं डेयरी विभाग, मध्यप्रदेश शासन द्वारा संचालित यह विशेष अभियान आगामी 13 से 18 जुलाई तक पूरे प्रदेश में चलाया जाएगा। इस अभियान का मुख्य ध्येय दुग्ध उत्पादन में वृद्धि, मध्यप्रदेश की समृद्धि के संकल्प को साकार करना है। अभियान के दौरान विभाग के विशेषज्ञ और मैदानी अमला सीधे पशुपालकों से संपर्क करेंगे और उन्हें डेयरी व्यवसाय को लाभदायक बनाने के लिए आधुनिक तकनीकों से अवगत कराएंगे।

नशामुक्ति व साइबर सुरक्षा के प्रति किया जागरूक

▶ डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी जयंती पर संगोष्ठी आयोजित

अमरपुर, नवभारत 6 जुलाई। माय भारत, युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्रालय, भारत सरकार के तत्वावधान में तथा जिला युवा अधिकारी भुवन सिंह सोलंकी के मार्गदर्शन में शासकीय संदीपनी विद्यालय, अमरपुर में डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी जयंती के अवसर पर संगोष्ठी एवं जनजागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि आकाश नामदेव, मंडल अध्यक्ष, भारतीय जनता पार्टी, अमरपुर ने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी के व्यक्तित्व एवं कृतित्व पर प्रकाश डाला। उन्होंने विद्यार्थियों को राष्ट्रभक्ति, कर्तव्यनिष्ठा, शिक्षा एवं सेवा की भावना को अपने जीवन में अपनाने तथा राष्ट्र निर्माण में सक्रिय सहभागिता निभाने के लिए प्रेरित किया।

नशे के दुष्परिणामों से अवगत कराया-कार्यक्रम में जिला समन्वयक, नशा मुक्ति केंद्र, ऋतु सेन ने छात्रों को नशे के दुष्परिणामों से अवगत कराते हुए नशामुक्त जीवन अपनाने के साथ-साथ समाज को भी जागरूक करने का संदेश दिया। इसी क्रम में पुलिस विभाग से उपस्थित केहर धुर्वे, भवप्रकाश, संतोष धुर्वे एवं राघवेंद्र सिंह धुर्वे ने साइबर अपराधों से बचाव, ऑनलाइन ठगी एवं डिजिटल सुरक्षा से संबंधित महत्वपूर्ण जानकारी प्रदान करते हुए विद्यार्थियों को साइबर सुरक्षा के प्रति जागरूक किया।

कानून में संशोधन कर शिक्षक का सम्मान बचाए सरकार, पात्रता परीक्षा की अनिवार्यता का विरोध

मंडला। ट्राइबल वेलफेयर टीचर्स एसोसिएशन, मध्यप्रदेश के प्रदेश अध्यक्ष डीके सिंगौर ने सेवारत शिक्षकों के हितों और सम्मान की रक्षा के लिए नियमों में संशोधन की पुरजोर मांग उठाई है। उन्होंने कहा कि वर्षों से विद्यालयों में अपनी निष्ठापूर्वक सेवाएं दे रहे शिक्षकों को जीवन के इस पड़ाव पर पुनः शिक्षक पात्रता परीक्षा देने के लिए बाध्य करना उनके अनुभव और समर्पण का अपमान है।

एसोसिएशन का कहना है कि शिक्षक से एक तरफ गुणवत्तापूर्ण शिक्षा की अपेक्षा की जाती है, तो दूसरी तरफ उन्हें ई-अटेंडेंस, ऑनलाइन डेटा अपलोडिंग, सर्वेक्षण, चुनाव और जनगणना जैसे अनेक गैर-शैक्षणिक व प्रशासनिक कार्यों में उलझा दिया जाता है। इससे शिक्षण कार्य के साथ-साथ शिक्षक के पद की गरिमा भी प्रभावित होती है। संगठन ने स्पष्ट किया कि वे शिक्षा की गुणवत्ता के पक्षधर हैं, लेकिन गुणवत्ता का पैमाना केवल एक लिखित परीक्षा नहीं, बल्कि बेहतर प्रशिक्षण, संसाधन और सम्मानजनक शैक्षणिक वातावरण होना चाहिए। सेवारत शिक्षकों के लिए टीईटी की अनिवार्यता समाप्त करने हेतु संबंधित अधिनियम में आवश्यक संशोधन किया जाए।

बालक छात्रावास व अंग्रेजी माध्यम आश्रम तक नहीं है पहुंच मार्ग

अमरपुर नवभारत 6 जुलाई। जनपद शिक्षा केंद्र अमरपुर मुख्यालय में वरिष्ठ बालक छात्रावास एवं अंग्रेजी माध्यम बालक आश्रम संचालित हैं, परंतु इन दोनों संस्थानों तक पहुंचाने के लिए सड़क मार्ग की महती आवश्यकता महसूस की जा रही हैं।

बालक छात्रावास के छात्रों को प्रतिदिन विद्यालय जाना पड़ता हैं। बारिश के इस मौसम में छात्रावास से मुख्य मार्ग तक पहुंचने में छात्रों को भारी मशक्कतों का सामना करना पड़ रहा हैं। वर्तमान समय में उक्त मार्ग में गढ्डों के साथ-साथ बड़े-बड़े पत्थर भी निकल आये हैं, जहां पैदल या दोपहिया वाहन चलाना जोखिम भरा साबित हो सकता हैं।

सीसी रोड का निर्माण घटिया स्तर का किया गया

ग्रामीणों द्वारा तत्कालीन सहायक आयुक्त संतोष शुक्ला से अमरपुर सक्का मुख्य मार्ग से आश्रम तक एवं अमरपुर रामगढ़ मुख्य मार्ग से छात्रावास तक सड़क निर्माण करने मांग की गई थी, परंतु सहायक आयुक्त द्वारा आश्रम एवं छात्रावास के बीच कुछ हिस्से में सीमेंट कांक्रीट सड़क निर्माण तो कराया गया, जो इतना निम्न स्तर था कि कुछ ही दिनों बाद पूरी सड़क धूल धूसरित हो गई।

सेवा से हटाए गए अधिकारी को कैसे मिला वित्तीय प्रभार

मंडला। जिले के जनजाति कार्य विभाग में एक बड़ा प्रशासनिक गोलमाल सामने आया है। वित्तीय अनियमितता, गबन और लंबे समय तक लापता रहने के गंभीर आरोपों से घिरे मवई विकासखंड के घुटास स्कूल में पदस्थ कुलदीप कटल वर्तमान प्रभार डीपीसी, पूर्व बीईओ बिछिया के मामले में सहायक आयुक्त कार्यालय मंडला द्वारा जिला कलेक्टर के आदेशों की सरेआम धज्जियां उड़ाई जा रही हैं।

बताया गया कि पूरा मामला झाबुआ में मध्यप्रदेश आदिवासी वित्त विकास एवं निगम में शाखा प्रबंधक के पद पर रहते हुए वर्ष 1995 से 1999 के बीच की गई वित्तीय अनियमितताओं से जुड़ा है। जांच में दोषी पाए जाने के बाद आयुक्त आदिवासी विकास मप्र शासन ने 18 जून 2007 को स्पष्ट आदेश जारी कर कुलदीप कटल को दीर्घशास्ती के तहत शासकीय सेवा से हटा दिया था। सामान्य वित्तीय नियमों के अनुसार गबन के दोषी को दोबारा वित्तीय प्रभार नहीं दिया जा सकता। इसके बावजूद जिले के योग्य अधिकारियों की उपेक्षा कर एक दागी अधिकारी को प्राचार्य, बीईओ और डीपीसी जैसे महत्वपूर्ण वित्तीय पदों का प्रभार सौंप दिया गया, जो बड़ी साठगांठ की ओर इशारा करता है।

ह्यूमनॉइड रोबोट बनाने वाले शिवम साहू के घर पहुंचे एसडीएम

शहपुरा नवभारत। शहपुरा विकासखंड के करौंदी गांव निवासी युवा इनोवेटर शिवम साहू द्वारा घर के एक कमरे में एआई लैब स्थापित कर ह्यूमनॉइड रोबोट तैयार किए जाने संबंधी खबर मीडिया में प्रसारित और प्रकाशित होने के बाद प्रशासन हरकत में आया। शहपुरा एसडीएम आईएएस ऐश्वर्य वर्मा और तहसीलदार आर.पी. मार्को सोमवार को शिवम के घर पहुंचे और उनके द्वारा विकसित एआई ह्यूमनॉइड रोबोट तथा होम लैब का निरीक्षण किया। अधिकारियों ने रोबोट की कार्यप्रणाली को करीब से समझा और शिवम से इसके निर्माण, तकनीकी विशेषताओं तथा भविष्य की योजनाओं पर विस्तार से चर्चा की।

हरसंभव सहयोग का दिया आश्वासन

उन्होंने सीमित संसाधनों में किए गए इस नवाचार की सराहना करते हुए कहा कि ग्रामीण क्षेत्रों में ऐसी प्रतिभाओं को उचित मंच और प्रोत्साहन मिलना चाहिए। एसडीएम ऐश्वर्य वर्मा ने शिवम को शासन की नवाचार और स्टार्टअप से जुड़ी योजनाओं की जानकारी देते हुए भरोसा दिलाया कि उनके शोध और तकनीकी प्रयासों को आगे बढ़ाने के लिए प्रशासन स्तर पर हरसंभव सहयोग और मार्गदर्शन उपलब्ध कराया जाएगा।

उपलब्धि — शिवम ने घर के कमरे में बनाई एआई लैब, पहले भी बना चुका हैं ड्रोन और कमांड बेस्ड रोबोट

कई भाषाओं में बात करने वाला ह्यूमनॉइड रोबोट विकसित

शहपुरा नवभारत 6 जुलाई। जिले के आदिवासी बाहुल्य शहपुरा विकासखंड का छोटा सा गांव करौंदी इन दिनों अपनी अनूठी उपलब्धि के कारण चर्चा का विषय बना हुआ है।

सामान्यतः खेती-किसानी और ग्रामीण जीवन के लिए पहचाने जाने वाले इस गांव ने अब तकनीक और कृत्रिम बुद्धिमत्ता (आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस) के क्षेत्र में भी अपनी अलग पहचान बनानी शुरू कर दी है। इसकी वजह हैं गांव के युवा नवप्रवर्तक शिवम साहू, जिन्होंने अपने घर के एक कमरे को अत्याधुनिक प्रयोगशाला का रूप देकर एआई आधारित ह्यूमनॉइड रोबोट तैयार किया है।

लोगों के सवालों का जवाब देता है रोबोट

सीमित संसाधनों और स्वयं के प्रयासों से बनाया गया यह रोबोट न केवल लोगों के सवालों के जवाब देता है, बल्कि हिंदी, अंग्रेज़ी सहित कई भाषाओं में संवाद करने और विभिन्न कमांड को समझने की क्षमता भी रखता है। ग्रामीण परिवेश में तैयार की गई यह तकनीक लोगों के लिए किसी आश्चर्य से कम नहीं है।

अत्याधुनिक प्रयोगशालाओं में इस प्रकार के शोध होते हैं

बड़े शहरों और संस्थानों में अत्याधुनिक प्रयोगशालाओं में इस प्रकार के शोध होते हैं, वहीं डिण्डौरी जैसे जिले के एक छोटे से गांव में तैयार हुआ यह रोबोट स्थानीय युवाओं के लिए प्रेरणा बन गया है। शिवम का यह प्रयास यह साबित करता है कि यदि इच्छाशक्ति और सीखने का जज़्बा हो तो सीमित संसाधन भी सफलता की राह में बाधा नहीं बनते।

रोबोट एआई तकनीक पर आधारित है

शिवम साहू द्वारा तैयार किया गया यह एआई ह्यूमनॉइड रोबोट आधुनिक आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस तकनीक पर आधारित है। रोबोट को इस प्रकार विकसित किया गया है कि वह उपयोगकर्ता की आवाज़ पहचान सके, उसके प्रश्नों को समझ सके और उनका उपयुक्त उत्तर दे सके। यह प्रदर्शन दर्शाता है कि रोबोट केवल पूर्व रिकॉर्ड किए गए उत्तर नहीं देता, बल्कि उपलब्ध एआई तकनीक की सहायता से प्रश्नों का विश्लेषण कर उत्तर प्रस्तुत करता है।

रोबोट की विशेषता इसकी बहुभाषी क्षमता ह

इस रोबोट की एक और विशेषता इसकी बहुभाषी क्षमता है। यह हिंदी और अंग्रेज़ी के अलावा अन्य भाषाओं में भी संवाद करने की क्षमता रखता है। उपयोगकर्ता द्वारा दिए गए वॉइस कमांड को समझकर उसी के अनुरूप प्रतिक्रिया देना इसकी सबसे बड़ी विशेषताओं में शामिल है। यही कारण है कि इसे देखने और इसकी कार्यप्रणाली को समझने के लिए आसपास के क्षेत्रों से भी लोग करौंदी पहुंच रहे हैं।

लगभग एक लाख रूपये का खर्च आया

शिवम साहू बताते हैं कि इस परियोजना को तैयार करने में अब तक लगभग एक लाख रुपये का खर्च आ चुका है। रोबोट के निर्माण में उपयोग होने वाले कई उपकरण ऑनलाइन मंगवाए गए, जबकि कई पुर्जे स्वयं डिजाइन कर तैयार किए गए। कई बार आवश्यक संसाधनों के अभाव में स्थानीय स्तर पर उपलब्ध सामग्री का उपयोग कर समाधान निकाला गया। लगातार परीक्षण, सुधार और नए प्रयोगों के बाद यह रोबोट वर्तमान स्वरूप में तैयार हो पाया है।